माइंड बॉडी मेडिसीन पर जुटे देशभर के विशिष्ट चिकित्सक, सम्मेलन हुआ शुरू

दादी जानकी ने किया उदघाटन कहा- मन की बीमारी ठीक तो सभी बीमारियों का इलाज सम्भव

आबू रोड, 8 फरवरी, निसं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शंातिवन में माइंड बॉडी मेडिसीन का 37वां सम्मेलन शुरू हो गया। इसमें भारत तथा नेपाल से पांच हजार वरिष्ठ चिकित्सक भाग लेने पहुंचे। इस सम्मेलन का उदघाटन दीप जलाकर किया गया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि आज लोगों में मन की बीमारी तेजी से फैल रही है। अधिकतर बीमारियों की जड़ मन है। यदि मन ठीक है तो सब ठीक है। इसलिए मन को सकारात्मक और स्वस्थ बनाने के लिए राजयोग ध्यान को जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए। इससे ही हमारा सम्पूर्ण और सर्वांगिण विकास होगा। आज योग और राजयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजकुमार ने कहा कि पहले के समय में लोग प्राकृतिक तरीके से रहते थे तो बीमारियों की गुंजाइश कम थी। लेकिन आज जितना तेजी से जीवनशैली बदल रही है नयी नयी बीमारियां भी फैल रही है। यदि सकारात्मक सोच और मन को स्वस्थ बनाया जाये तो निश्चित तौर पर इसपर नियंत्रण पाया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में दिनचर्या और जीवनशैली में तेजी से बदलाव हो रहा है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि जब चिकित्सक सकारात्मक होंगे मेडिटेशन के अभ्यासी होंगे तो मरीजों का भी सही इलाज सम्भव है। कार्यक्रम में ग्लोबल हास्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ प्रताप मिडढा, समाज सेवा प्रभाग के अध्यक्ष बीके अमीरचन्द ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मेलन कई मायनों में अहम होगा।

कार्यक्रम में मेडिकल प्रभाग के उपाध्यक्ष डॉ गिरिश पटेल, डॉ बनारसी लाल तथा राजयोगिनी बीके जयन्ति तथा अमेरिका की बीके चन्दू ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।